

समर्पित कार्यकर्ता, कुशल कार्यकर्ताओं
के प्रेरणास्त्रोत माननीय

श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय जी को जन्मदिन की

हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं

मनीष पाण्डेय

प्रदेश भाजयुमो- कार्यकारिणी सदस्य
जिला प्रभारी- रायपुर
जिला अध्यक्ष- श्री राम जन्मोत्सव समिति, युवा विंग

भाजपा सरकार द्वारा मिलाई के विकास, उन्नति एवं प्रगति के लिए किये गये कार्य



मिलाई में देश के 17वें
आईआईटी की स्थापना



दुर्ग हेमचंद्र यादव
विश्वविद्यालय की स्थापना



खुर्सीपार में शासकीय नवीन
महाविद्यालय की स्थापना



खुर्सीपार बालाजी नगर एवं
सेक्टर -6 में शासकीय इंग्लिश
मीडियम स्कूल की स्थापना



सेक्टर-2 में स्व. राजेश पटेल
स्टेडियम की स्थापना



वृहद पेयजल एवं अमृत मिशन
योजनांतर्गत 140 करोड़ एवं
243 करोड़ की राशि से
शुद्ध पेयजल की व्यवस्था



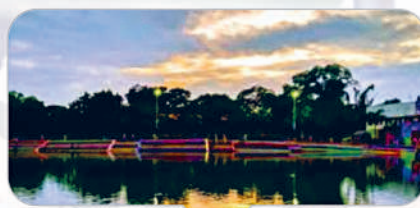
मिलाई से कुम्हारी के बीच
350 करोड़ की लागत से
4 फ्लाईओवर का निर्माण



जीई रोड पर ट्रैफिक दबाव
कम करने के लिए
केनाल रोड का निर्माण



सेक्टर-1 में 1.5 करोड़ की
लागत से पार्क का निर्माण



5 करोड़ की लागत से बापूनगर तालाब का निर्माण
सहित छावनी एवं टाउनशिप में तालाबों का सौंदर्यीकरण



101 रुपए में सभी समाजों के लिए
अंतिम संस्कार की व्यवस्था

सेक्टर-1 में अंतर्राष्ट्रीय
स्तर का क्रिकेट मैदान



खुर्सीपार श्रीराम चौक में
फ्लड लाइटयुक्त मैदान



नरेश छाबड़ा



लघु भारत के स्वरूप भिलाई को विकास के क्षेत्र में अग्रणी रखने वाले
पानी वाले बाबा एवम् भिलाई को शिक्षाधानी के रूप में पहचान दिलाने वाले
आईआईटी की सौगात देने वाले विकास पुरुष आदरणीय

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष छत्तीसगढ़

मा. श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय जी

को **जन्मदिन** की हार्दिक शुभकामनाएँ...

आप स्वस्थ एवम् दीर्घायु हो...



राहुल भोंसले

जिला उपाध्यक्ष - भाजपा युवा मोर्चा, भिलाई



जावेद अख्तर

चयनकर्ता - भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन



रेहान अहमद

प्रचार प्रसार मंत्री - पश्चिम मण्डल



गोल्डी सोनी

महामंत्री - भाजपा पश्चिम मण्डल, भिलाई



संस्कार भारती के कला इकाई को मिली...

लाइव इवेंट

16 को गायत्री जयंती व गंगा दशहरा, मंदिरों में हवन-पूजन



भिलाई। 16 जून को गायत्री जयंती व गंगा दशहरा मनाया जाएगा। जिसके लिए गायत्री शक्तिपीठ सेक्टर 6 भिलाई, प्रज्ञापीठ रामनगर मुक्तिधाम, गायत्री साधना केन्द्र रिसाली बस्ती, शिव गायत्री मंदिर रिसाली सेक्टर, पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य प्रज्ञापीठ शांतिनगर सुपेला, कोहका, कुरूद, उम्दा रोड भिलाई-3 सहित अंचल के सभी गायत्री मंदिरों, प्रज्ञा संस्थानों में गायत्री जयंती एवं गंगा दशहरा का पावन पर्व श्रद्धापूर्वक मनाये जाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इन सभी स्थानों में पूजन के एक दिन पूर्व 15 जून को गायत्री मंत्र से 12 घंटे तक अखण्ड जप होगा।

दूसरे दिन सुबह 9 बजे से 12 बजे तक गंगापूजन व गायत्री पूजन के साथ-साथ यज्ञ आहुति का कार्यक्रम होगा। गायत्री जयंती एवं गंगा दशहरा पूर्व पूजन मनाने के लिए भगवती संस्थान गायत्री प्रज्ञापीठ रामनगर मुक्तिधाम भिलाई के कार्यकर्ताओं के द्वारा बैठक की गई। जिसमें संस्थान के कार्यवाहक प्रबंधट्रस्टी बी आर श्रीवास, सहायक प्रबंध ट्रस्टी मोहन उमरे, अजीत सोनबोडर, शिवप्रसाद वन्धकार, पेखन साहू, मन्नु साहू, तुलेश्वरी साहू, उषा साहू, प्रेमलता, रूपा, इंडु ठाकुर, राजकुमार, श्याम विश्वकर्मा, चंद्रप्रकाश साहू, दयाराम राऊतरे, रवि नाथ सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे। जहां सभी ने गंगा दशहरा का पर्व हर्षोल्लास से मनाने अधिक संख्या में लोगो को उपस्थित होने अपील भी किये है।

सिटी इवेंट

ट्रांसजेंडर्स ने पौधरोपण कर पर्यावरण सहेजने का दिया संदेश



भिलाई। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ट्रांसजेंडर मुहों पर कार्य कर रही संघर्ष एक जीवन समिति के तत्वावधान में ट्रांसजेंडर्स ने पौधे लगाने और उसे संरक्षित रखने का संदेश दिया। सूर्य विहार कॉलोनी में सूर्य विहार रजिडेंट समिति के पदाधिकारी और सदस्यों की उपस्थिति में छायादार व फलदार लगभग बीस पौधों का रोपण कर उसका संरक्षण साथ मिलकर करने का संकल्प भी लिया गया।

कार्यक्रम में पार्षद मुकेश अग्रवाल ने पूरे समय उपस्थित रहकर न केवल पौधों का रोपण किया बल्कि आगे भविष्य में इस दिशा में अपनी सक्रियता के लिए अपनी सहमति जाहिर की। ट्रांसजेंडर मुहों पर कार्य कर रही समिति में डॉ सुचित्रा शर्मा, राकेश नागदेव, अमरजीत बिंदी, सविता पांडे और उर्मिला पाठक ने सूर्य विहार समिति के सदस्यों के साथ मिलकर रोपित किए गए पौधों का संरक्षण करने संकल्प लिया गया।

समिति द्वारा श्री शंकराचार्य महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ अर्चना झा के साथ मिलकर महाविद्यालय परिसर में पौधा रोपण किया गया। इस पौधरोपण कार्यक्रम में ट्रांसजेंडर समुदाय की प्रमुख कंचन सेंद्रे के साथ कामिनी साहू, राधा, रोशनी, चांदनी, और हसीना उपस्थित थे। ट्रांसजेंडर मुहों पर कार्य कर रही समिति ने इस संकल्प को आगे तक ले जाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि ट्रांसजेंडर्स को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए हमें सभी कार्यक्रमों में उनकी उपस्थिति निश्चित ही रखनी चाहिए। समिति द्वारा ट्रांसजेंडर्स के लिए समय-समय पर कार्य किए जाते हैं।



औषधिय व फलदाल पौधों का किया वितरण व रोपण।

बीएसपी के 'गो ग्रीन' अभियान को मिलेगी मजबूती

सेक्टर-9 अस्पताल में आंतरिक संसाधनों से बनाया गया पार्किंग स्टैंड, ईडी अंजनी ने किया उद्घाटन

भिलाई। बीएसपी के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र में आंतरिक संसाधनों से एक लाख स्क्वायर फिट से भी अधिक एरिया में बनने नवनिर्मित पार्किंग स्टैंड शुरू हो गया है। उद्घाटन बीएसपी के कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार ने किया। अस्पताल में रोज सैकड़ों मरीजों के परिजनों के साथ स्टाफ के लोग आते हैं। महाप्रबंधक शाहिद अहमद ने नवनिर्मित पार्किंग स्टैंड के बारे में बताया कि वाहन स्टैंड का निर्माण आंतरिक संसाधनों से किया गया है। 76 लाख रुपए की बचत हुई है। सफाई कर्मचारी तथा सिविल मेटेनेंस के कार्मिक तथा अस्पताल के पेस्ट कंट्रोल के श्रमिकों ने समय का सदुपयोग करते हुए इस स्टैंड के कार्य को पूर्ण करने में भूमिका निभाई है।



प्रयासों की प्रशंसा

कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार ने कहा कि बीएसपी के 'गो ग्रीन' अभियान को मजबूती प्रदान करते हुए फौरन क्लीयर एवं टू क्लीयर के पार्किंग के लिए नव विकसित किए गए इस स्टैंड के निर्माण में बीएसपी के सेल ग्रीन टाइटल्स प्लॉट द्वारा संयंत्र के वेस्ट प्रोडक्ट से निर्मित पेट्र ब्लॉक का उपयोग किया गया है।



500 गाड़ियां होंगी खड़ी

जेएलएन अस्पताल के सीएमओ इंचार्ज डॉक्टर एम रविंद्रनाथ और शाहिद अहमद ने कहा कि नयी पार्किंग व्यवस्था से जहां मरीजों तथा उनके परिजनों को नई सुविधा प्राप्त होगी वहीं अस्पताल के विजिटर्स के लिए भी पार्किंग की सुगम व्यवस्था की जा सकेगी। यह पार्किंग बारिश के दिनों में कीचड़ व गंदगी से भी निजात दिलाएगा। इस एक लाख स्क्वायर फीट से भी बड़े पेंपर ब्लॉक लगे पार्किंग में लगभग 500 से अधिक वाहन खड़ी की जा सकेगी।

कार्मिकों को किया गया पुरस्कृत



कार्यक्रम में सीएमओ इंचार्ज डॉक्टर एम रविंद्रनाथ सहित सीजीएम इंचार्ज आयरन तापस दासगुप्ता, सीएमओ डॉ. विनीत द्विवेदी, सीजीएम एमआरडी सुशील कुमार, सीजीएम एनवायरमेंट डीएल मोईत्रा, जीएम उमा कटोच, जीएम अजय कुमार व जीएम शाहिद अहमद उपस्थित थे।

पार्किंग सुविधा का विस्तार

सेक्टर -9 अस्पताल के पार्किंग स्थल के पास की खाली जमीन पर बरसात के दिनों में जल भराव होता था, कीचड़ की समस्या के कारण कर्मचारियों तथा मरीजों के परिजनों को वाहन पार्किंग में बेहद परेशानी का सामना करना पड़ता था। इस समस्या से निजात दिलाने के लिए प्रबंधन द्वारा आंतरिक संसाधनों से पार्किंग निर्माण कराया गया।

बच्चों की नटखट अदाओं ने किया मंत्रमुग्ध, विभिन्न विधाओं के सीखे गुरु

भिलाई। सन वैली इंग्लीश मीडियम स्कूल कोहका भिलाई में समर कैंप के समापन समारोह में बच्चों की नटखट अदाओं को देखकर उपस्थित जन मंत्रमुग्ध हो उठे। लगभग डेढ़ महिने चले इस समर कैंप में स्कूली बच्चों के साथ अन्य बच्चों ने भी विशेष ट्रेनर्स के मार्गदर्शन में विभिन्न कलाओं के गुरु सीखे। स्कूल की डायरेक्टर खूशबू मंडल ने बताया कि समर विकेशन का सदुपयोग करने के उद्देश्य से समर कैंप का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। जिससे बच्चों का शारीरिक व बौद्धिक विकास हो सके। इस बार समर कैंप में बच्चों ने योग, एरोबिक्स, विभिन्न डांस व लोक नृत्य सीखे। जिसके समापन समारोह में बच्चों ने अपने



कलाओं की मनमोहक प्रस्तुति दी। इस आयोजन में स्कूल की टीचर दुर्गा, वृंदा, तारा, खुशबू, कुसुम, बबीता, सीमा, रीना, शिवानी, वंदना सहित सभी स्टाफ ने बच्चों की प्रतिभाओं को निखारने अपना पसीना बहाया।

जरूरतमंदों की विशेषज्ञ डॉक्टर करेंगे निःशुल्क जांच, दी जाएगी जानकारी

भिलाई। श्री रमेशचंद्र फाउंडेशन के तत्वावधान में रविवार को गुलाटी नर्सिंग होम शंकर नगर दुर्ग में फ्री मेडिकल कैंप का आयोजन किया जाएगा। जिसमें कोई भी व्यक्ति अपना चेकअप करा सकते है।

यह मेडिकल कैंप सुबह 9.30 बजे से 12 बजे तक पूरी तरह से निशुल्क रखा गया है। कैंप में नेत्र रोग, मेडिसिन विभाग, दंत विभाग, कान-नाक-गला, हड्डी रोग विशेषज्ञ, महिला रोग विशेषज्ञ तथा त्वचा संबंधी विशेषज्ञ उपलब्ध रहेंगे। इस निशुल्क कैंप में विशेष रूप से सभी बीमारियों के प्रति जागरूकता लाने लोगो को जरूरी जानकारी दी जाएगी। आयोजन के संबंध में फाउंडेशन की डायरेक्टर डॉक्टर मानसी गुलाटी व डॉ राहुल गुलटी ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद लोगो की मदद



करना है जो विशेषज्ञ डाक्टर के पास नहीं जा सकते है। साथ ही बहुत सारी ऐसी बीमारियां है जिसके बारे में समाज के लोगों को पूरी तरीके से सही जानकारी नहीं है। इसलिए कैंप में बीमारियों की जांच कर सभी को बीमारियों के लक्षण व सावधानी से अवगत कराया जाएगा। डॉ मानसी ने अधिक से अधिक लोगो को इस निशुल्क शिविर का लाभ उठाने अपील की है।

केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में साप्ताहिक कार्यक्रम का आयोजन

प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर ही हम अपने अस्तित्व को कर सकते है सुरक्षित: प्राचार्य उमाशंकर

कार्नर न्यूज

भिलाई। केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा पर्यावरण जागरूकता की पहल करते हुए केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में साप्ताहिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए विद्यालय संगठन ने एक मुहिम शुरू की है। जिसका उद्देश्य केंद्रीय विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों को स्वस्थ जीवनचर्या एवं पर्यावरण के महत्व से अवगत कर जागरूक करना है।यह कार्यक्रम 5 से 12 जून तक सुबह 6 बजे से 9 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य उमाशंकर मिश्र ने कहा कि प्रकृति के बारे में सोचना स्वयं के बारे में सोचने जैसा है।



प्रकृति को हरा-भरा रखना, हम सबकी जिम्मेदारी

हम अगर प्रकृति के साथ तालमेल नहीं बना पाए तो वह दिन दूर नहीं जब हम सब के अस्तित्व पर संकट आ जाएगा। धरती से डायनासोर जैसे विशाल शक्तिशाली जीव जंतु समाप्त हो चुके हैं अगली बारी हमारी और आपकी है। प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर के ही हम अपने अस्तित्व को सुरक्षित एवं सुनिश्चित कर सकते हैं। प्रकृति को हरा भरा रखना, ऊर्जा तथा पानी की बचत करना अच्छी आदतों को अपनाना यह मनुष्य के अस्तित्व को सुरक्षा के मुख्य बिंदु है।

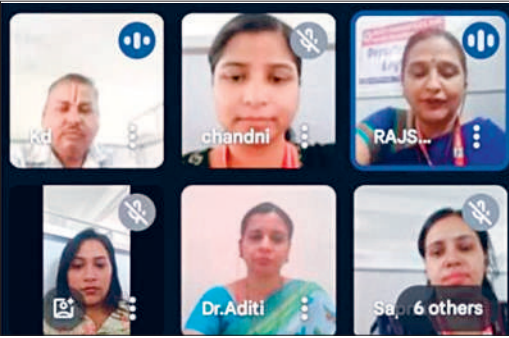
छात्रों को किया जागरूक

कार्यक्रम के संयोजक राजेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि पूरे सप्ताह स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, स्थायी खाद्य प्रणालियां अपनाने, ई-कचरा कम करे, ऊर्जा व पानी बचाए, सिंगल यूज प्लास्टिक को न कहें जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करके विद्यार्थियों को पर्यावरण के लिए जागरूक किया जा रहा है। छात्रों ने प्राचार्य उमाशंकर मिश्रा के नेतृत्व में विद्यालय में पौधरोपण किया। साथ ही छात्रों को अधिक से अधिक संख्या में पौधारोपण के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय के शारीरिक शिक्षक सुरेश कुमार के नेतृत्व में 70 से अधिक छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम में भाग लिया।



सिटी इवेंट

अंग्रेजी सिर्फ पढ़ाई की नहीं संसार से संवाद स्थापित करने की भाषा है



भिलाई। भारतीय विश्वविद्यालय दुर्ग के अंग्रेजी विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला सह विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का विषय इंफॉर्मेटिव ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज इन ऑनलाइन वाक्स ऑफ लाइफ था। इस कार्यशाला में डॉ. अर्जुन देव, एसोसिएट प्रोफेसर अंग्रेजी विभाग, एस आर एम यूनिवर्सिटी सोनीपत ने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया। उन्होंने अपने व्याख्यान में कहा कि व्यक्ति के सर्वांगीण विकास व कैरियर की सफलता के लिए अंग्रेजी भाषा जिसे वैश्विक भाषा भी कहा जाता है, का ज्ञान होना अति अनिवार्य है। यह प्रत्येक व्यक्ति के लिए चाहे वह विद्यार्थी, शोधार्थी या प्राध्यापक सभी के लिए अत्यावश्यक है। अंग्रेजी सिर्फ पढ़ाई की भाषा नहीं बल्कि समस्त संसार से संवाद स्थापित करने की भाषा है। चाहे व्यापार हो, विदेश में पढ़ाई हो या राजनीतिक संपर्क स्थापित करना हो सभी की एक जुबान भाषा अंग्रेजी ही है। इस अवसर पर विभिन्न संकाय, विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, शोधार्थी, प्रतिभागी व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला में सक्रिय प्रतिभागिता दिखाते हुए प्रश्न भी पूछे। जिसका उत्तर देकर मुख्य अतिथि ने उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया। कार्यक्रम का संचालन एवं विषय प्रवर्तन अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. राजश्री नायडू ने किया।

अंग्रेजी विभाग में एक दिवसीय कार्यशाला सह विशेष व्याख्यान आयोजित



समाज इवेंट

प्राणियों में दया और परोपकार की भावना सिखाता है धर्म: अंजली



भिलाई। आर्य समाज एवं पतंजलि योग समिति द्वारा रामकथा का आयोजन किया गया था। जहां काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर कथा सुनी। इस दौरान हरियाणा से आई विदुषी अंजली आर्य ने राम कथा प्रस्तुत की। उन्होंने रामकथा की व्याख्या करते हुए कहा कि राम का जीवन अलौकिक है। वास्तविक में इसलिए राम को धर्म का स्वरूप कहा है। कुछ लोग समझते हैं कि सभी को जाना जाए जगह है और सभी धर्म समान है। इस बात को समझना जरूरी है। धर्म अलग-अलग नहीं है। धर्म वह है जो सबको बढ़ाने का मौका दे। धर्म वह है जो सबके प्रति दया प्रेम और सद्भाव को बढ़ाने वाला होता है। इसलिए प्राणियों में दया और परोपकार को ही धर्म का मुख्य आधार माना गया है। वह धर्म नहीं है जो दूसरों को मारने काटने या मिटाने की बात करता है। धर्म तो महिलाओं का सम्मान सीखाता है। षड्यंत्र करने वाला धर्म नहीं है।

राम जैसी संतान तपस्या करने से मिलती है: उन्होंने कहा कि राम जैसी संतान पैदा करने के लिए कौशल्या ने तपस्या की थी। किंतु वैदिक सत्य है कि पुत्रेष्टि यज्ञ किया गया था। पुत्रेष्टि यज्ञ करने वाला आयुर्वेद का ज्ञाता होता है। आयुर्वेदिक यज्ञ पद्धति एक विज्ञान है। आयुर्वेद की औषधियों का प्रयोग करने से आप एक बीमारी का इलाज करते हैं और उसके साथ दो-तीन और बीमारियां अपने आप अच्छी हो जाती हैं दूसरी ओर एलोपैथी का उपयोग करने से एक बीमारी ठीक होती है और उसके साथ दो-तीन बीमारियां नई जन्म ले लेती हैं। रामायण की महिलाओं के उत्तम चरित्र का वर्णन करते हुए उन्होंने सीता, कैकेयी, कौशल्या, सुमित्रा, अहिल्या, उर्मिला, अनसूइया, शबरी, मंदोदरी, त्रिजटा और शूर्पणखा, लंकिनी और मंथरा, सुलोचना, उर्मिला के जीवन से सीख लेने की प्रेरणा दी। आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आजकल लोग पीढ़ी दर पीढ़ी दुश्मनी निभाने में लगे रहते हैं। आज की पीढ़ी को विनम्रता का यह पाठ श्री राम से पढ़ना चाहिए। जीवन दुश्मनी के लिए नहीं मित्रता के लिए मिला है। हम सभी को दूसरों की सहायता करने के अवसर ढूँढने चाहिए। इस दौरान राजकुमार वर्मा, महेंद्र ठाकुर, शिव चंद्रवंशी, हजारी राम, हरिराम, वेदराम, मनोहर, रोहित जायसवाल, परमेश्वर, भगत पटेल, नंद श्रीवास, हीरा आर्य, रवि राजपूत, खोमेश राजपूत सहित आयोजन मंडल के सदस्य उपस्थित थे।



कला, साहित्य और रंगमंच के कलाकारों को बैठक में दिया गया प्रभार

संस्कार भारती के कला इकाई को मिली जिम्मेदारी, कला क्षेत्र में बढ़ेंगे नए कदम

भिलाई। कला, साहित्य और रंगमंच के लिए समर्पित अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती की दुर्ग जिला इकाई की आम सभा गजानन मंदिर हडको में संपन्न हुई। सभा का प्रारंभ सामूहिक ध्येयगीत तथा प्रांत अध्यक्ष रिखी क्षत्रिय तथा जिला अध्यक्ष कीर्ति व्यास द्वारा नटराज की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलन के साथ की गई। कार्यक्रम की शुरुआत में उपस्थित सभी सदस्यों का उनकी कला विधा के साथ परिचय दिया गया। जिसके बाद 2023-24 में किये गए आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। हडको में आयोजित 2024-25 की साधारण सभा को संबोधित करते हुए निवर्तमान अध्यक्ष ने अपने अनुभव व्यक्त किये। जिसके बाद नए अध्यक्ष का चुनाव किया गया। इस दौरान वरिष्ठ संगीतज्ञ वॉयलिन वादक कीर्ति व्यास 2024-25 के लिए सर्व सम्मति से जिला इकाई के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किए गए। साथ ही संपूर्ण कार्यकारिणी तथा विधा संयोजक सह संयोजक की घोषणा की गई।



कार्यक्रम में यह रहे उपस्थित



कार्यक्रम में अंकुश देवांगन, ऋषि चंद्राकर, मंदा लाकुडकर, वंदना मिश्रा, देवयानी व्यास, सपन भट्टाचार्य, बबलू विश्वास, देवेन्द्र वर्मा, सीमा साहू सहित कला जगत के लोग उपस्थित थे।



खेल प्रशिक्षण शिविर

बच्चों ने किया पौधारोपण और संरक्षण करने का लिया संकल्प



भिलाई। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कुडो मार्शल आर्ट क्लब के बच्चों ने युवा शक्ति संगठन के साथ मिलकर हनोदा रोड बोरसी में पौधारोपण किया। 21 दिवसीय निःशुल्क कुडो मिक्स मार्शल आर्ट ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन भी किया गया। कुडो मार्शल आर्ट प्रशिक्षक मनीष कुमार साहू ने कहा कि कुडो आत्मरक्षा या एक खेल का उपाय नहीं है अपितु शारीरिक फिटनेस के लिए आवश्यक है इससे जीवन अनुशासित होता है। कुडो सिखने वाले बच्चों ने पौधारोपण किया। साथ ही वे मानसून में भी अपने घर के आसपास पौधे लगाने का संकल्प भी लिया। पर्यावरण दिवस पर हम सभी को पर्यावरण की सुरक्षा के बारे में सोचना चाहिए। इस अवसर पर दुर्ग शहर के विधायक गजेन्द्र यादव भी शामिल हुए। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज के बच्चे ही कल के देश के भाग्य विधाता है। बच्चों को सामाजिक कार्यों में भाग लेने में संकोच नहीं करना चाहिए। माता-पिता शिक्षकों को बच्चों को ऐसे अवसर देने चाहिए जिससे वह देश समाज और अपने आसपास की चिंता कर सकें। अभी गर्मी है किंतु हम विश्व पर्यावरण दिवस मना रहे हैं। मानसून आने पर शहर के प्रत्येक व्यक्ति को पौधे लगाने का संकल्प लेना चाहिए। दुर्ग शहर की जनसंख्या लगभग 20 लाख है। इस दृष्टि से हम सभी को अधिक से अधिक पेड़ लगाने का संकल्प करना चाहिए। पर्यावरण को सुरक्षित रखने से हमारा जीवन सुरक्षित रहेगा। आयोजन में कुडो ब्लैक बेल्ट युवराज साहू, इंदु साहू और युवा शक्ति संगठन से प्रशांत साहू, चाणक्य साहू, खिलेन्द्र साहू, सुशील साहू उपस्थित रहे।

नेहरू नगर भिलाई में आज शिविर

निः शुल्क चिकित्सा शिविर का आज मरीजों को मिलेगा लाभ



भिलाई। गुरुद्वारा नानकसेर नेहरू नगर भिलाई में आज निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक चलने वाले निःशुल्क चिकित्सा शिविर में विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञ अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। इस निःशुल्क चिकित्सा शिविर में डॉक्टरों द्वारा निःशुल्क परामर्श, शुगर चेकअप, महत्वपूर्ण जांच, रक्त परीक्षण आदि किया जायेगा। इस चिकित्सा शिविर में डॉ. विजय वच्छानी, डायलिसिस और गुर्दा रोग विशेषज्ञ, डॉ. विशाल अग्रवाल, मधुमेय रोग विशेषज्ञ, डॉ. शिवानी टोंक, कैंसर रोग विशेषज्ञ मौजूद रहकर अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। गुरुद्वारा प्रबंधक समिति गुरुद्वारा नानकसर नेहरू नगर द्वारा सभी से इस निःशुल्क चिकित्सा शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाने अपील की है।

निःशुल्क रहती है सगी जांच

गुरुद्वारा समिति द्वारा एक चैरिटेबल अस्पताल, लाइब्रेरी सहित अन्य सुविधाओं का संचालन किया जाता है। जिससे आमजन की मदद की जा सके। गुरुद्वारा में पैथालॉजी लैब, एक्स-रे फार्मसी, डेंटल जैसी अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं और बाहर से विशेषज्ञ चिकित्सक इस चिकित्सालय को अपनी निःशुल्क सेवाएं प्रदान करते हैं।

भागवत कथा का चौथा दिन, भक्त ध्रुव ने 5 साल की उम्र में ईश्वर को पाया

श्रीकृष्ण जन्म पर झूमे श्रद्धालु: महाराज ने कहा-भक्ति और भजन की कोई उम्र नहीं



भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

कारन न्यूज

सेलूद/भिलाई। गाम कसही में चल रही श्रीमद भागवत कथा के चौथे दिन शनिवार को भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कथा में जैसे ही भगवान का जन्म हुआ तो पूरा पंडाल नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की जयकारों से गूंज उठा। इस दौरान लोग झूमने-गांठने लगे। इसके बाद कलाकारों ने भागवत कथा स्थल पर झांकी के माध्यम से श्री कृष्ण जन्म की कथा का प्रदर्शन किया। श्री कृष्ण जन्म के अवसर पर पूरा भागवत कथा स्थल को गुब्बारों से सजाया गया था।

गुड़ के लड्डूओं से भगवान को लगाया मोग

भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप में नन्हें बालक के दर्शन करने के लिए लोग लालायित नजर आए। भगवान के जन्म की खुशी पर महिलाओं ने अपने घरों से लाए गए गुड़ के लड्डूओं से भगवान को मोग लगाया। इस अवसर पर पंडित वासू मोहन दुबे ने कहा कि जब धरती पर चारों ओर त्राहि-त्राहि मच गई। चारों ओर अत्याचार, अनाचार का साम्राज्य फैल गया। तब भगवान श्रीकृष्ण ने देवकी के 8 वर्ष की उम्र में जन्म लेकर कंस का संहार किया। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

सिटी स्पोर्ट्स

प्रदेश स्तरीय रात्रिकालीन
कायस्थ प्रीमियर क्रिकेट लीग
सीजन-7 का आयोजन आज से



रायपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा और छत्तीसगढ़ कायस्थ समाज के तत्वावधान में कायस्थ समाज के युवाओं के लिए रात्रिकालीन कायस्थ प्रीमियर क्रिकेट लीग का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश स्तरीय इस प्रतियोगिता में रायपुर के अलावा दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव, बिलासपुर, बेमेतरा, महासमुंद और डोंगरगढ़ की टीम सम्मिलित होंगी। इस प्रतियोगिता के आयोजक अखिल भारतीय कायस्थ महासभा छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ कायस्थ समाज हैं। यह स्पर्धा नेताजी सुभाष स्टेडियम में 09 जून से 16 जून तक रात्रिकालीन समय में खेली जाएगी। प्रतिदिन मैच शाम 6 बजे से प्रारंभ होंगे। इस स्पर्धा का उद्घाटन समारोह रविवार 9 जून को शाम 6 बजे किया जाएगा। उद्घाटन समारोह विशेष रूप से संजय श्रीवास्तव भाजपा प्रदेश महामंत्री, रज्जन श्रीवास्तव संरक्षक छत्तीसगढ़ कायस्थ समाज एवं प्रमोद खरे प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय कायस्थ महासभा उपस्थित रहेंगे। समिति के द्वारा इस साल महिलाओं का टूर्नामेंट का आयोजन स्वर्गीय आशा श्रीवास्तव की स्मृति में किया जा रहा है जिसमें चार टीमों के बीच एक एक मैच खेला जाएगा तथा दोनों विजेता टीमों के बीच में फाइनल मैच खेला जाएगा। सभी महिला खिलाड़ियों को स्वर्गीय श्रीमती आशा श्रीवास्तव की स्मृति में ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाएगा।

इसके अलावा समाज के बच्चों जिनकी उम्र 7 वर्ष से 16 वर्ष के बीच है, के लिए भी जूनियर कायस्थ प्रीमियर लीग प्रतियोगिता का आयोजन स्वर्गीय सुदीप खरे स्मृति में किया जा रहा है। ताकि समाज के बच्चों को भी समाज के कार्यक्रमों में सम्मिलित एवं भागीदारी करने का अवसर मिले। बच्चों को भी चार टीमों बनाई गई हैं जिनके बीच एक एक मैच खेला जाएगा तथा दोनों टीमों के विजेताओं के बीच फाइनल मैच होगा। सभी मैच खेलने वाले बच्चों को स्वर्गीय सुदीप खरे की स्मृति में ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। आयोजन समिति के राहुल श्रीवास्तव प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय कायस्थ महासभा युवा प्रकोष्ठ एवं अन्य सदस्यों ने समाज के सभी वरिष्ठ जनों महिलाओं एवं युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस प्रतियोगिता को सफल बनाने का अनुरोध किया है। आयोजन समिति में प्रमुख रूप से रज्जन श्रीवास्तव, प्रमोद खरे, मनीष श्रीवास्तव कांकेर, प्रदीप वर्मा, मनीष श्रीवास्तव बिलासपुर, पी के वर्मा, दिवाकर सिन्हा, डॉ मनीष श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव, अमिषेक सक्सेना, अमित वर्मा, विश्वासु श्रीवास्तव, वैदूर्य निगम, शुभम्, रौनक, महिला विंग से उषा रंजन श्रीवास्तव, अमृता श्रीवास्तव, मंगला श्रीवास्तव, छाया खरे, अनुषा श्रीवास्तव, सारिका वर्मा, कनकलता श्रीवास्तव और नेहा श्रीवास्तव इत्यादि शामिल है।

राज्य स्तरीय शह और
मात के खेल में जुटे 20
जिले से 150 प्रतिभागी



रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के मार्गदर्शन व ऑल इंडिया चेस फेडरेशन के निर्देशन में जिला शतरंज संघ द्वारा पिथौरा में आयोजित 4 दिवसीय स्पर्धा का उद्घाटन अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनूप अग्रवाल ने शतरंज की बिसात पर प्यादे की चाल चलकर किया। कार्यक्रम का अध्यक्षता सामाजिक कार्यकर्ता व कला समाज महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष प्रमिला सिन्हा ने की। विशिष्ट अतिथि जिला क्रीड़ा अधिकारी मनोज धृतलहरे, राज्य शतरंज संघ के पदाधिकारी विकास शर्मा, सुबोध सिंह, ईश्वर राजपूत, पिथौरा ब्लॉक के मंडलेश्वर पुनीत सिन्हा, राज्य सचिव हेमन्त खुटे,अंतरराष्ट्रीय निर्णायक अनीस अंसारी व जिला संघ के अध्यक्ष डॉ डीएन साहू मंचासीन थे। सर्वप्रथम टूर्नामेंट डायरेक्टर हेमन्त खुटे ने प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि वर्ष 2022 से 2024 के भीतर 3 साल के अंतराल में यह तीसरी फीडे रेटिंग स्पर्धा है तथा जिला शतरंज संघ के बैनर तले यह सोलहवां राज्य चयन स्पर्धा है। आगामी दिनों में हमारा प्रयास नेशनल रेटिंग टूर्नामेंट कराने का रहेगा ताकि जिला व प्रदेश के खिलाड़ियों को रेटिंग के लिए कहीं बाहर जाना न पड़े। मुख्य अतिथि अनूप अग्रवाल ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि शतरंज एक बौद्धिक खेल है। इसे हर उम्र के लोगो को खेलना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमिला सिन्हा ने अपने उद्बोधन में कहा कि पिथौरा सरीखे छोटी सी जगह में अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त स्पर्धा के आयोजन से अंचल का मान बढ़ा है। जिला शतरंज संघ को इस पहल के लिए बधाई दी है। इस राज्य चयन स्पर्धा में 91 हजार रुपए की कुल राशि खिलाड़ियों को इनाम स्वरूप दिए जायेंगे।

अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स की लत बिगाड़ रही है हमारी सेहत

आइसक्रीम, चिप्स और बर्गर के ज्यादा सेवन से स्ट्रोक का
खतरा, सोचने-समझने की क्षमता में भी आ रही गिरावट

फ्राइज, चिप्स, बर्गर, कैंडी, सॉफ्ट ड्रिंक और आइसक्रीम जैसे अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स यानी बेहद ज्यादा प्रोसेस किए जाने वाले खाद्य पदार्थ लोगों को शारीरिक और दिमागी तौर पर बीमार बना रहे हैं। एक अध्ययन में खुलासा हुआ है कि ऐसे खाद्य पदार्थों के ज्यादा सेवन से सोचने-समझने, पढ़ने, सीखने और याद रखने की क्षमता में गिरावट के साथ स्ट्रोक के खतरे बढ़ रहे हैं। मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल के शोधकर्ताओं के अध्ययन के नतीजे जर्नल न्यूरोलॉजी में प्रकाशित हुए हैं। यह अध्ययन अमेरिका में 45 वर्ष या उससे अधिक आयु के 30,239 लोगों पर किया गया है। इन पर करीब ग्यारह वर्षों तक नजर रखी गई। शोधकर्ताओं ने इस बात की जांच की है कि उनका कितना भोजन बेहद ज्यादा प्रोसेस किया हुआ था। अध्ययन की शुरुआत में इन सभी लोगों में स्ट्रोक या सोचने-समझने तथा सीखने की क्षमता में गिरावट का कोई इतिहास नहीं था। अध्ययन के अंत तक 768 लोगों में संज्ञानात्मक हानि यानी सोचने समझने की क्षमता में गिरावट देखी गई जबकि 1,108 में स्ट्रोक की समस्या सामने आई।



लोगों को ध्यान देना चाहिए कि
वे क्या खा रहे

मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल के प्रोफेसर डॉ डब्ल्यू टेलर किम्बर्ली का कहना है कि हर व्यक्ति को न केवल इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि वह क्या खा रहा है, बल्कि इस पर भी विचार करना चाहिए कि वह कैसे बनाता है। इन खाद्य पदार्थों का सीमित सेवन दिमाग को स्वस्थ रखने में मददगार साबित हो सकता है।

ज्यादा नमक के सेवन से हर साल 30 लाख मौतें

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े भी दर्शाते हैं कि हर साल जल्दस्त से ज्यादा नमक (सोडियम) का सेवन करने से दुनिया में 30 लाख से ज्यादा लोगों की जान जा रही है। इसके साथ ही इसकी वजह से रक्तचाप और हृदय सम्बन्धी रोगों का खतरा भी बढ़ रहा है।

गुग्गल धूप के इन सरल उपायों
से दूर करें घर का वास्तु दोष

घर में वास्तु दोष हो तो नकारात्मकता हावी होने लगती है और घर में पारिवारिक क्लेश के साथ-साथ कई परेशानियां जन्म ले लेती हैं। वास्तु दोष अगर घर में है तो इसके कई संकेत भी मिलते हैं जिन्हें अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं, जिसकी वजह से वास्तु दोष बढ़ते-बढ़ते इतना बढ़ जाता है कि घर में गंभीर घटनाएं होने लगती हैं। इसी कारण से वास्तु शास्त्र में माना गया है कि वास्तु दोष उत्पन्न होने पर तुरंत उसका उपाय कर लेना चाहिए।

वास्तु दोष दूर करने
के लिए गुग्गल धूप
के उपाय

रोजाना शाम के समय गुग्गल धूप के साथ पीली सरसों घर में जलाएं और उसका धुआं घर के कोने-कोने में करें। ऐसा करने से घर का वास्तु दोष दूर होगा और नकारात्मकता भी कम होने लगेगी। अगर वास्तु दोष के कारण घर में पारिवारिक क्लेश ने जन्म ले लिया है तो ऐसे में गोबर के कंडे के ऊपर गुग्गल धूप डालकर उसे जलाएं। ऐसा करने से गृह शांति स्थापित होगी और कलश दूर होगा।

अगर वास्तु दोष के कारण आपके काम बनते-बनते बिगड़ रहे हैं तो गुग्गल धूप जलाकर मंदिर के सामने रखें और फिर उसकी राख को लाल कपड़े में लपेटकर अपने पर्स में छिपाकर रख लें। अगर वास्तु दोष के कारण आपके वैवाहिक जीवन में समस्या आ रही है या फिर विवाह में देरी हो रही है तो गुग्गल धूप को रोजाना बेडरूम में जलाएं। इससे दांपत्य जीवन सुखी होगा और विवाह जल्दी होगा।



कार्नर
न्यूज

रात में बार-बार डरावने सपने देखना नाइटमेयर डिसऑर्डर का लक्षण

नाइटमेयर डिसऑर्डर प्रभावित
करता है आपकी मेंटल हेल्थ को



नाइटमेयर कैसे मेंटल हेल्थ को करता है प्रभावित ?

नाइटमेयर डिसऑर्डर में बार-बार डरावने या बुरे सपने आते हैं। इसके कारण अचानक से नींद खुल जाती है, पसीना आने लगता है और फिर कुछ देर तक डर लगता रहता है। ऐसा होने के बाद दोबारा से सोने में परेशानी होती है। यह समस्या अक्सर आधी रात में ही होती है।



साइड प्लैंक से बनाइए सेहत
छोटे-छोटे टिप्स आजमाएं

अपने वर्कआउट के दौरान अधिकतर लोग प्लैंक जरूर करते हैं। इसे कोर के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इतना ही नहीं, प्लैंक करते हुए उसमें कुछ वैरिएशन भी की जाती है। इन्हीं में से एक है साइड प्लैंक। यह आपके कोर को मजबूती देने के साथ-साथ ऑब्लिक्स को भी टारगेट करता है। ऐसे में आपको अधिक बेनिफिट मिलता है। आमतौर पर क्रंचेस या प्लैंक शरीर के सामने सिक्स-पैक पेट की मसल्स को टारगेट करती हैं। लेकिन अगर आप अपने कोर को मजबूत और टोन करना चाहते हैं, तो आपको अपने ऑब्लिक्स पर भी काम करना चाहिए। ऐसे में साइड प्लैंक करना यकीनन काफी फायदेमंद रहता है। हालांकि, इस दौरान अपनी बाँड़ी को बैलेंस करना और सही पोश्चर मेंटेन करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। ऐसे में कुछ छोटे-छोटे टिप्स आपके बेहद काम आ सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ छोटे-छोटे टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको साइड प्लैंक करते हुए ध्यान में रखना चाहिए-

बाँड़ी एलाइनमेंट का रखें ध्यान

जब आप साइड प्लैंक करते हैं तो उस दौरान आपको अपनी बाँड़ी एलाइनमेंट का ध्यान रखना चाहिए। साइड प्लैंक करते हुए अपनी कोहनी को सीधे अपने कंधे के नीचे रखें। इस तरह आपको शोल्डर ज्वाइंट पर बहुत अधिक दबाव नहीं पड़ता है। इसके अलावा यह भी ध्यान रखें कि आपका शरीर सिर से एड़ी तक एक सीधी रेखा बनाए।



अपने कोर को करें शामिल

जब आप साइड प्लैंक करते हैं तो उस दौरान पेट की मसल्स को टाइटन कर लें। इससे आपको स्टेबिलिटी बनाए रखने में मदद मिलती है। साथ ही साथ, रीढ़ को भी सहारा मिलता है। ऐसे में आप अधिक बेहतर तरीके से साइड प्लैंक कर पाते हैं।

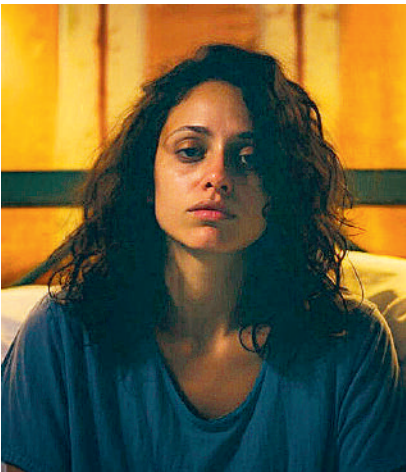
पैरों की पोजिशन पर दें ध्यान

साइड प्लैंक करते हुए पैरों की पोजिशन पर ध्यान देना भी बेहद जरूरी है। आमतौर पर, लोग इसमें गड़बड़ करते हैं और उनके लिए साइड प्लैंक करते हुए होल्ड करना मुश्किल हो जाता है। साइड प्लैंक करते हुए आप बेहतर तरीके से बैलेंस करने के लिए अपने पैरों को एक-दूसरे के ऊपर रखें या एक पैर को दूसरे के सामने थोड़ा सा रखें। इस दौरान आप अपने पैरों को सीधा और मजबूत रखें।

ब्रीदिंग पर करें फोकस

साइड प्लैंक करते हुए ब्रीदिंग पर ज्यादा फोकस करने की भी जरूरत है। कई बार लोग साइड प्लैंक करते हुए अपनी साँसों को रोक लेते हैं। ऐसा करने की गलती ना करें। आप लगातार सांस लें। इससे आपको मसल्स में ऑक्सीजन का प्रवाह बना रहता है। जब आप साइड प्लैंक करते हैं तो शुरुआत में 15 से 30 सेकंड तक होल्ड करें। इसके बाद, आप अपनी क्षमतानुसार समय बढ़ाते जाएं।

इसके कारण आपकी नींद में खलल पड़ता है और नींद पूरी नहीं होने के कारण आपको अगले दिन परेशानी हो सकती है। आप अपने कामकाज पर फोकस नहीं कर पाते हैं। जिससे चिड़चिड़ापन हो सकता है ऐसा होने पर व्यक्ति ओवर थिंकिंग का शिकार हो जाता है, उसे ऐसा महसूस होता है कि शायद कुछ बुरा होने वाला है। इससे बार-बार नकारात्मक खयाल हावी होता है। जिसके कारण चिंता तनाव, डिप्रेशन और पंजायटी जैसी समस्या हो जाती है



इसके कारण आप अवसाद के शिकार हो सकते हैं, जो हमेशा आपको उदासी या निराशा की भावना में डुबाए रख सकता है। इसके कारण आप कोई भी काम ठीक प्रकार से नहीं कर पाते हैं, सोचने समझने की क्षमता भी प्रभावित होती है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'वुल्फ्स' के लिए 16 साल बाद साथ आए जॉर्ज क्लूनी और ब्रैड पिट

'वुल्फ्स' आगामी थ्रिलर फिल्म है, जिसके एलान के बाद से ही दर्शकों का उत्साह चरम पर है। बीते दिन फिल्म का एक टीजर वीडियो सामने आया, जिसने सोशल मीडिया पर धमाल मचा दिया। वहीं, अब इसका ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है। ट्रेलर में जॉर्ज क्लूनी और ब्रैड पिट एक साथ वापस आ गए हैं। ट्रेलर में फिल्म की कहानी की पहली झलक देखने को मिली है। यह एप्पल ओरिजनल फिल्म है। 'वुल्फ्स' सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद एप्पल टीवी+ पर विश्व स्तर पर स्ट्रीम होगी। 'वुल्फ्स' ने प्रसिद्ध हॉलीवुड सितारों को अपराधिक फिक्सरों की एक जोड़ी के रूप में पेश किया है, जिन्हें पता चलता है कि उन दोनों को एक ही घातक काम को पूरा करने के लिए रखा गया है। यही वजह होती है कि दो अकेले भेड़िए अचानक एक साथ काम करने के लिए मजबूर हो जाते हैं। स्पाइडर-मैन फ्रैंचाइजी के निर्देशक जॉन वॉट्स की इस नई फिल्म के ट्रेलर ने दर्शकों के उत्साह को और ज्यादा बढ़ा दिया है। वॉट्स ने फिल्म 'वुल्फ्स' का निर्देशन और निर्माण करने के अलावा इसकी पटकथा भी लिखी है। क्लूनी और पिट निर्माता के रूप में भी शामिल हैं। 'ओनली मर्डर्स इन द बिल्डिंग' की एमी रयान की 'वुल्फ्स' में 'द वॉकिंग डेड' के ऑस्टिन अब्राम्स के साथ-साथ 'नेवर हैव आई एवर' की पूर्णा जगन्नाथन की सहायक भूमिका होगी। इन कलाकारों

टॉलीवुड

इतने देशों में हो सकती है 'एनटीआर 31' की शूटिंग, कलाकारों के नाम पर बना हुआ सस्पेंस

दक्षिण भारतीय अभिनेता जूनियर एनटीआर इन दिनों कई बड़ी फिल्मों में काम कर रहे हैं। इनमें एक फिल्म है- 'वॉर 2', जिससे वो अपना बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ ऋतिक रोशन भी अभिनय कर रहे हैं। इसकी शूटिंग पर तेजी से काम चल रहा है। इसके अलावा जूनियर एनटीआर 'एनटीआर 31' को लेकर भी सुर्खियां बंट रहे हैं। इस फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। 'एनटीआर 31' पर पिछला बड़ा अपडेट जूनियर एनटीआर के जन्मदिन पर आया था। उस वक्त निर्माताओं ने बताया था कि इस फिल्म की शूटिंग इसी साल अगस्त के महीने में शुरू हो जाएगी। अब फिल्म की शूटिंग को लेकर एक चर्चा चल पड़ी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'एनटीआर 31' को लगभग 15 देशों में शूट किया जाएगा। इसके प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू हो चुका है। 'एनटीआर 31' एक अस्थायी नाम है। निर्माताओं द्वारा फिल्म के आधिकारिक नाम की घोषणा अभी बाकी है। फिल्म का निर्देशन प्रशांत नील करेंगे। जूनियर एनटीआर इस फिल्म के जरिए एक बार फिर से एक्शन अवतार में नजर आएंगे। इसका निर्माण एनटीआर आर्ट्स और मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा किया जाएगा। कहा जा रहा है कि 'एनटीआर 31' में कई बड़े कलाकार अभिनय करते हुए दिखाई देंगे। पिछले दिनों एक चर्चा भी चली थी कि रश्मिका मंदाना को मुख्य भूमिका के लिए चुना जा सकता है। 'वॉर 2' और 'एनटीआर 31' के अलावा जूनियर एनटीआर जल्द ही 'देवरा: पार्ट 1' में भी नजर आएंगे।

भोजपुरी

लोगों के दिलों में जगह बनाएगी फिल्म 'शादी में उल्टा फेरा'

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में हर दिन किसी न किसी फिल्म को लेकर नई खबर आती रहती है। अब एक और फिल्म बन रही है जो सारे रिकॉर्ड तोड़ देगी और लोगों के दिलों में जगह बनाएगी। भोजपुरी फिल्म 'शादी में उल्टा फेरा' की शूटिंग इन दिनों मुंबई में चल रही है। इसकी कई फोटोज सामने आई हैं। दुनिया मे किसी की शादी बड़े ही शुभ मुहूर्त देखकर बड़े ही विधि विधान के साथ ईसान सम्पन्न कराता है ताकि आगे आने वाले भविष्य में युगल जोड़ी हर प्रकार की सांसारिक सुख सुविधाओं का लाभ और आनंद उठा सके। लेकिन इसके साथ यह भी कहा गया है कि उल्टा पैदा होने वाला ईसान और शादी में उल्टा फेरा लेने वाला ईसान दोनों ही एक समान खतरनाक और हुनरबाज होते हैं। इनके कदम जहां पड़ जाए वहां कुछ अच्छा होता है तो कुछ को ये लोग अपने हुनर से बेहद अच्छा बना लेते हैं। तो क्या हम मानकर चलें कि आगे भी कुछ ऐसा ही होने वाला है, क्योंकि यहां पर भी दीप मिश्रा के शादी में उल्टा फेरा लेने की बात ही सामने आ रही है। दरअसल फ़िल्म 'शादी में उल्टा फेरा' की शूटिंग इन दिनों मुम्बई थाणे के मीरा भयंदर के उत्तान भयंदर में जोर शोर से चल रही है। अभिनेता दीप मिश्रा अभिनीत इस फ़िल्म में कॉमेड , रोमांस और इमोशन का ट्रायो कॉम्बिनेशन देखने को मिलेगा। दीप मिश्रा ने इस फ़िल्म के लिए बहुत पहले से तैयारियां शुरू कर दिया था और अब जाकर फ़्लोर पर उस तैयारी का रिजल्ट देखने को मिल रहा है। इस फ़िल्म में दीप मिश्रा के साथ शादी में उल्टा फेरा लेने के लिए अभिनेत्री मनीषा यादव मुख्य भूमिका में हैं। दीप मिश्रा कहते हैं कि उनकी यह फ़िल्म मनोरन्जन से भरपूर होगी जिसे दर्शक हाथों हाथ लेंगे और फ़िल्म हर उम्र के दर्शक वर्ग के लिए एक प्रेक्ज की तरह पसन्द आएगी। उनके साथ मनीषा यादव की जोड़ी इस फ़िल्म में एक बेहतरीन कहानी को एकसूत्र में पिरोकर दर्शकों के सामने लाने के लिए इन दिनों जीतोड़ मेहनत कर रही है।



अमेरिका में फॉल 2024 सीजन के दौरान दर्शकों को मॉडलिंग के कई रोमांचक पल देखने को मिले। जिसमें एग्नेस डेन की हैरतअंगेज वापसी और मौली रिगवाल्ड सहित बेटशेवा का सिर्फ़ 40 साल से ज़्यादा उम्र की मॉडल्स को कास्ट करना शामिल हैं। रनवे पर जाने-पहचाने चेहरों के अलावा कई नए चेहरे भी थे, जिन्होंने दर्शकों का ध्यान खींचा। यह पूरा शो दर्शकों के दिलों में अमिट छाप छोड़ गया।

थ्रेडिंग करवाने के बाद भूलकर भी न करें ये गलतियां, पड़ सकती है त्वचा के लिए भारी

थ्रेडिंग करवाने के बाद हम कई ऐसे काम कर जाते हैं, जिनके कारण हमें शायद किसी दिन कोई बड़ा नुकसान भी हो सकता है। थ्रेडिंग करवाने के बाद हमें इन गलतियों को भूलकर भी नहीं करना चाहिए। वरना जाने-अंजाने में ही कई ये गलतियां पड़ सकती हैं भारी।

थ्रेडिंग करवाने के बाद मेकअप करना चाहिए ?

थ्रेडिंग करवाने के बाद पोर्स खुल जाते हैं और इनमें मेकअप प्रोडक्ट्स के जाने से इनमें मौजूद केमिकल स्किन को डैमेज कर सकते हैं। इस डैमेज से त्वचा में उम्र से पहले ही एजिंग साइंस नजर आ सकते हैं। इसलिए कोशिश करें कि थ्रेडिंग के बाद 1 दिन तक मेकअप न ही करें। वहीं अगर किसी कारण मेकअप करना भी पड़ रहा है तो चेहरे पर बर्फ से मसाज करें और प्राइमर लगाना न भूलें।इसे भी पढ़ें: आइब्रो के बालों को घना बनाना चाहती हैं? इस नुस्खे की मदद से 1 महीने में दिख सकता है असर



थ्रेडिंग करवाने के बाद किस तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट्स को चेहरे पर लगाना चाहिए ?

थ्रेडिंग करवाने के बाद हार्श स्किन केयर प्रोडक्ट्स को अवॉयड करें और रोजाना वाले ही स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें। इसके अलावा किसी भी तरह के साबुन को चेहरे से दूर ही रखें। कोशिश करें कि कम से कम 2 दिन तक आप कोई नया स्किन केयर रूटीन या कोई नया प्रोडक्ट न ही इस्तेमाल करें।इसे भी पढ़ें: आइब्रो थ्रेडिंग कराने समय होता है दर्द तो इन टिप्स से पाएँ छुटकारा

क्या थ्रेडिंग करवाने के बाद स्टीम लेनी चाहिए ?

चेहरे की त्वचा नाजुक होती है। वहीं थ्रेडिंग के कारण स्किन पोर्स खुल जाते हैं। गर्मी के कारण चेहरे पर आपको जलन हो सकती है। वहीं अगर आप स्टीम लेंगे तो चेहरे पर गरमाहट महसूस होगी, जिससे आइब्रो करवाते समय थ्रेड के जहां भी टच हुआ होगा वहां आपको जलन और इस जलन से किसी भी तरह की स्किन प्रॉब्लम हो सकती है।

ट्रेडिशनल से लेकर वेस्टर्न ड्रेसेस पर भी स्टाइल कीजिए स्कार्फ

महिलाओं की फैशन और स्टाइल के लिए कई तरह की ड्रेसेस और इसके साथ पेअर-अप करने वाले कई डिफरेंट आइटम मार्केट में मिलते हैं। इन्हीं में से एक हिस्सा है- स्कार्फ कैरी करना। आजकल, स्कार्फ का काफी ज्यादा ट्रेंड चल रहा है, जिसे आप सिर्फ़ कुर्तियों के साथ ही नहीं बल्कि वेस्टर्न कपड़ों के साथ भी स्टाइल कर सकती हैं। दरअसल, आजकल स्कार्फ की कई वैरायटी और प्रिंट आ गए हैं, जिससे आप किसी भी ड्रेस को अट्रैक्टिव और यूनिक बना सकती हैं। तो चलिए आज हम आपको इसके चुनाव में मदद करते हैं। इस आर्टिकल की मदद से आपको बताएंगे कि किस टाइप के कपड़ों के साथ कैसे आप स्कार्फ वियर कर सकती हैं। टाइगर प्रिंट वाली स्कार्फ : आज के समय में एनिमल प्रिंट काफी ट्रेंड में है। ऐसे में टाइगर की प्रिंट वाली स्कार्फ आपके वेस्टर्न लुक में भी यूनिकनेस ला देगी। अगर आप लाइट कलर या ब्लैक कलर की वन पीस पहन रही हैं तो उसपर ये स्कार्फ काफी सुंदर और अट्रैक्टिव लग सकती है। इस तरह के डिजाइन वाले स्कार्फ आपको ऑनलाइन या ऑफलाइन किसी भी माध्यम से मिल जाएगा। बात इसके दाम की करें तो यह 300 के अंदर आपको मिल सकता है।



रेड कलर के डॉट प्रिंट वाली स्कार्फ

अगर व्हाइट प्लेन टी-शर्ट और जींस पहन रही हैं, तो इसके साथ रेड कलर के डॉट प्रिंट वाले स्कार्फ को कैरी कर सकती हैं। इसे थोड़ा अलग लुक क्रिएट करने के लिए आप इसमें एक नॉट लगा सकती हैं। यह स्टाइल आपके लुक को एंहांस करने में मदद करेगा। इसके अलावा, आप चाहे तो सफेद रंग की कुर्ती पर भी इस स्कार्फ को कैरी कर सकती हैं।

कार्नर न्यूज

बाँडी टाइप और लेटेस्ट फैशन के हिसाब जरूरी होता है कॉटन शर्ट को अपनाना

गर्मी में कॉटन शर्ट में पाना चाहती हैं परफेक्ट लुक तो जानें इन्हें स्टाइल करने के ये तरीके



स्कर्ट के साथ सफेद शर्ट को कैसे करें स्टाइल ?

लॉन्ग स्कर्ट के साथ वैसे तो कई तरह के पहने होंगे, लेकिनइंडो-वेस्टर्न लुकपाने के लिए आप व्हाइट शर्ट को प्लेन जॉइंट या कॉटन की कलौदार स्कर्ट के साथ में पहन सकती हैं। इस तरह के लुक के साथ में आप बोहो ज्वेलरी को स्टाइल करें।वहीं ऑफिस लुक में सफेद शर्ट के साथ में आप बाँडीकॉन स्कर्ट को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के लुक को पॉवरफुल बनाने के लिए आप हाई ओपन हील्स को कैरी करें। चाहे तो कमर पर ब्लैक लेदर का कॉरसेट स्टाइल कर सकती हैं।इसे भी पढ़ें:ये ट्रेंडी एक्सेसरीज प्लेन शर्ट लुक में भी डालेंगी नई जान

बंधेज साड़ी की डिजाइन लुभाएंगी आपको जाने इसे स्टाइल करने के टिप्स



फैशन इंडस्ट्री में साड़ी में हर रोज कोई नया प्रयोग देखने को मिलता है, मगर कुछ पारंपरिक साड़ी डिजाइंस हैं, जिन्हें आज भी महिलाओं के मध्य काफी पसंद किया जाता है। इनमें से एक है बांधनी साड़ी। राजस्थान और गुजराती की अनूठी शिल्पकला का खूबसूरत उदाहरण पेश करने वाली इन साड़ियों में आपको एक नहीं कई पैटर्न देखने को मिलेंगे। बांधनी साड़ी के कई प्रकार होते हैं, उनमें से जो सबसे लोकप्रिय हैं, उनके बारे में आपको जानना चाहिए।

गाजी बांधनी साड़ी : गाजी बांधनी साड़ियां सभी बांधनी साड़ियों में सबसे उच्च गुणवत्ता वाले रेशमी कपड़े से बनावी जाती हैं। यह कपड़ा मोटे, चमकदार और चिकना होता है। इन साड़ियों पर आपको आरी जरदोजी का काम मिल जाएगा और इनका बॉर्डर भी बहुत खूबसूरत जरी वर्क वाला होता है, जिस पर पहले के जमाने में सोने और चांदी के तार से एंबॉयडरी की जाती थी। अब भी आपको यह काम मिल जाएगा मगर इस तरह बांधनी साड़ी बहुत महंगी आती है।

बांधनी सिल्क साड़ी : सिल्क फैब्रिक में भी बांधनी सिल्क साड़ियां आती हैं। इन साड़ियों में आपको चमकीला वर्क मिल जाएगा। इसमें रंग भी भड़कीले आते हैं। आपको लाल, शही नीला, पन्ने के रंग जैसा हरा और पीला कलर मिल जाएगा। अब तो ऐसी साड़ियों में आपको कलात्मकता का संगम भी देखने को मिल जाएगा। इन्हें आप किसी भी बड़े तीज त्योहार पर पहन सकती हैं।

शुद्ध बांधनी कॉटन साड़ी : शुद्ध कॉटन फैब्रिक में भी आपको बांधनी साड़ियां मिल जाएंगी। इनमें न केवल प्राकृतिक कॉटन कपड़े का इस्तेमाल किया जाता है बल्कि इनमें इस्ते माल रंग भी नेचुरल होते हैं। उन्हें धागों से बांध कर कलर किया जाता है, यह एक जटिल और प्राचीन बांधनी तकनीक है। इससे सुंदर-सुंदर पैटर्न साड़ी पर प्रिंट की तरह बिखर जाते हैं। बांधनी जॉइंट साड़ी : बांधनी साड़ियां आपको जॉइंट फैब्रिक में भी मिल जाएंगी। यह वजनदार होती हैं और इन पर भी सूती साड़ियों की रह पुरानी बांधनी तकनीक का इस्तेमाल कर पैटर्न बनाए जाते हैं। आपको इन पर मोतियों, सीपों और अन्य चीजों की एंबॉयडरी देखने को भी मिल सकती है और बॉर्डर पर जरी का काम भी दिख सकता है।

घरचोला बांधनी साड़ी : घरचोला गुजराती दुल्हनों द्वारा पहनी जाने वाली एक पारंपरिक बांधनी साड़ी है। कुछ वक्त पहले आपने कई बॉलीवुड एक्ट्रेससे को इस तरह के साड़ी लुक में देखा होगा। यह अपने विस्तृत पैटर्न के लिए जानी जाती है, जिसमें चौकीर और हीरे के आकार के डिजाइन होते हैं। इन साड़ियों में अक्सर हरे और मैरून रंग के शेड्स देखे जाते हैं। अब इसमें लाल, पीला और गुलाबी रंग भी देखने को मिल रहा है।



आपका आउटफिट लाइट कलर का है तो इस कस्टमाइज्ड हील्स अपेक आउटफिट के साथ के लिए परफेक्ट रहेंगे। इन हील्स को आप बाजार से ले सकती हैं साथ ऑनलाइन प्लेटफार्म से भी आप ये कस्टमाइज्ड हील्स खरीद सकती हैं। कैजुअल शूज : अगर आप कही घूमने रही हैं तो इस तरह के

फुटवियर का चुनाव कर सकती हैं।। इस तरह के फुटवियर में जहां आप स्टाइलिश नजर आएंगी तो वहीं आपको लुक भीड़ से भी अलग नजर आएगा। वहीं इस तरह के फुटवियर आप कई सारे डिजाइन में कस्टमाइज्ड करवा सकती हैं। यह फुटवियर ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही जगहों कई सारे डिजाइन आशान में मिल जाएंगे। फ्लैट्स : अगर आपकी हाइट अच्छी है और आप हील्स नहीं पहनना चाहती तो आप इस तरह के फुटवियर ट्राई कर सकती हैं। इन फ्लैट्स को आप साड़ी के साथ वियर कर सकती हैं। इन फुटवियर में मोती और एम्बॉयडरी की गयी हैं। वहीं इस तरह के फुटवियर आप कई सारे कलर आशान और डिजाइन में मिल जाएंगे।